समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 27 September 2026

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी टैरिफ, H-1B वीज़ा शुल्क और ट्रंप की सीज़फायर दावे पर उठाए सवाल

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025

कांग्रेस सांसद **शशि थरूर** ने हाल ही में अमेरिका द्वारा लगाए गए नए **टैरिफ और H-1B वीज़ा शुल्क वृद्धि** पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह कदम भारतीय IT पेशेवरों और स्टार्टअप्स के लिए **आर्थिक और पेशेवर चुनौतियाँ** बढ़ा सकता है।

थरूर ने विशेष रूप से यह भी सवाल उठाया कि **डोनाल्ड ट्रंप का हालिया सीज़फायर दावे** पर कितनी सच्चाई है और इससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर क्या असर पड़ेगा।

- अमेरिकी प्रशासन ने हाल ही में IT और अन्य तकनीकी श्रेणियों के **H-1B वीज़ा शुल्क मे वृंद्धि** की घोषणा की।
- इसके साथ ही भारत से आयातित सामानों पर **कुछ टैरिफ मे बंढ़ोतरी** की भी सूचना मिली।
- शशि थरूर ने कहा कि इससे भारतीय IT पेशेवरों और व्यवसायों को **नौकरी और निवेश पर नकारात्मक असर** पड़ सकता है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को **संतुलित और समानुपातिक रखना जरूरी** है।

- H-1B वीज़ा दुनिया भर में भारतीय IT पेशेवरों के लिए रोजगार का प्रमुख माध्यम है।
- शुल्क वृद्धि और नए नियमों के कारण **कई भारतीय प्रोफेशनल्स और कंपनियाँ अमेरिका मे कंाम करने से हिचक सकती है**।
- थरूर ने कहा कि इससे भारतीय IT इंडस्ट्री के लिए **नई चुनौतियाँ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा** पैदा हो सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि **भारत के टेक सेक्टर को अमेरिका पर अधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए** और वैकल्पिक बाजारों की ओर ध्यान देना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में कहा कि उन्होंने मध्यपूर्व संघर्षों में **सीज़फायर कराई**।

- शशि थरूर ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह **वैश्विक राजनीति और तथ्यों के अनुरूप नहीं लगता**।
- उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में **कूटनीति और स्वतंत्र स्रोतों का मूल्यांकन** करना जरूरी है।

थरूर ने स्पष्ट किया कि **अमेरिका और भारत के बीच संबंधों पर यह बयान सीधे असर नहीं डालता**, लेकिन वैश्विक दृष्टिकोण से यह महत्वपूर्ण है कि तथ्य और दावे अलग हों।

- अमेरिकी टैरिफ और H-1B वीज़ा शुल्क वृद्धि **भारतीय IT पेशेवरों और विद्यार्थियों** के लिए चुनौती बन सकती है।
- भारतीय स्टार्टअप्स और SMEs के लिए यह कदम **लागत बढ़ाने और निवेश मे बाधा** पैदा कर सकता है।
- शशि थरूर ने कहा कि भारत को **वैश्विक नीति मे संतुलन** बनाए रखना चाहिए और तकनीकी क्षेत्र को मजबूत करना चाहिए।

- कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अपने ट्वीट और इंटरव्यू में कहा कि यह मुद्दा केवल **व्यापार या रोजगार का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित का भी है।**
- सोशल मीडिया पर उनके समर्थक और IT पेशेवर इस बयान को **समर्थन दे रहे है**, जबकि आलोचक इसे **राजनीतिक बयानबाजी** कह रहे हैं।
- ट्विटर पर #ShashiTharoor, #H1BVisaFee जैसे हैशटैग चर्चा में हैं।

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि H-1B वीज़ा शुल्क वृद्धि **लंबी अवधि मे भारतीय पेशेवरों को अमेरिका मे काम करने से हतोत्साहित कर सकती है**।
- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप के सीज़फायर दावे पर **सावधानीपूर्वक समीक्षा** की जरूरत है, क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा और कूटनीति पर प्रभाव डाल सकता है।
- IT इंडस्ट्री के विशेषज्ञों का कहना है कि **भारतीय कंपनियों को अमेरिकी नीति के विकल्प तलाशने चाहिए**, ताकि निर्भरता कम हो।

- भारत और अमेरिका के बीच **व्यापारिक और तकनीकी सहयोग** पिछले दशक में बढ़ा है।
- H-1B वीज़ा और टेक सेक्टर का योगदान **दोनों देशों की अर्थव्यवस्था मे महत्वपूर्ण** माना जाता है।
- थरूर ने कहा कि भारत को **अपने पेशेवरों और स्टार्टअप्स को सुरक्षा और समर्थन देना चाहिए**, ताकि वैश्विक नीति के बदलाव का असर कम हो।

शशि थरूर का बयान अमेरिकी टैरिफ, H-1B वीज़ा शुल्क वृद्धि और ट्रंप के सीज़फायर दावे पर बहस को फिर से उभारता है।

- यह बयान भारत के **IT पेशेवरों और स्टार्टअप्स के लिए सचेत रहने का संदेश** देता है।
- साथ ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति में **तथ्यों और दावों की सही समीक्षा** की आवश्यकता को भी उजागर करता है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को वैश्विक नीति में **संतुलन, सुरक्षा और स्वतंत्रता** बनाए रखना चाहिए।

इस घटना ने मीडिया, सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय नीति विशेषज्ञों के बीच **नयी बहस और जागरूकता** को जन्म दिया है और यह साबित करता है कि **अंतरराष्ट्रीय निर्णयों का प्रभाव सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से भारत पर पड़ता है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.